HOLY QURAN CORRESPONDENCE – APRIL 2015

EMAILS FROM THE ARCHIVE OF DR UMAR AZAM

MANCHESTER, UK

JUNE 2015

|  |  |
| --- | --- |
| from: | **wanidada8** <wanidada8@gmail.com> |
| to: | softcopyofquran@gmail.com (Yes, this is you.) [Learn more](https://support.google.com/mail/answer/10313?hl=en) |
| date: | Sat, Apr 4, 2015 at 2:51 AM |
| subject: | electronic Quran |
| mailed-by: | gmail.com |
| signed-by: | gmail.com |
| https://ssl.gstatic.com/ui/v1/icons/mail/images/cleardot.gif: | Important mainly because it was sent directly to you |

**electronic Quran**



|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **wanidada8 <wanidada8@gmail.com>** |

 | Apr 4https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |  | **https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif****https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif** |
|

|  |
| --- |
| to mehttps://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |

 |

Assalamualikum sir I am Mohmmad shafi wani s/o Gull mohmmad wani from Hattigam
srigfwara bijbehara anantnag kashmir pin 192401 sir please send electronic Quran in urdu or english language on my above adress

Sent from Samsung Mobile

​.

|  |  |
| --- | --- |
| from: | **Roshanali Lakhani** <messages-noreply@linkedin.com> |
| to: | QURAN DISTRIBUTION <softcopyofquran@gmail.com> |
| date: | Sat, Apr 4, 2015 at 3:18 PM |
| subject: | Your connection Roshanali has endorsed you! |
| mailed-by: | bounce.linkedin.com |
| signed-by: | linkedin.com |
| unsubscribe: | Unsubscribe from this sender |

**Your connection Roshanali has endorsed you!**



|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **Roshanali Lakhani <messages-noreply@linkedin.com> Unsubscribe** |

 | Apr 4https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |  | **https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif****https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif** |
|

|  |
| --- |
| to mehttps://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |

 |
|

|  |
| --- |
|   |

 |
|

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
|   |

|  |
| --- |
|  |

|  |
| --- |
|   |

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
|   |

 |

|  |
| --- |
|   |

 |

|  |
| --- |
|   |

 |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
|   |

 |

|  |
| --- |
|   |

|  |
| --- |
| QURAN, you have 2 endorsements waiting! |
|

|  |
| --- |
|   |

 |
|  |
|

|  |
| --- |
|   |

 |
|

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
|   |

 | [**Add to profile**](https://www.linkedin.com/e/v2?e=6i21g3-i833vae6-2&t=npe&midToken=AQH7okicT9jW5A&tracking=eml-endrs-khc-btn-on_html&ek=endorsements_realtime&showPendingEndorsementDialog=true) |

|  |
| --- |
|   |

 |

 |

 |
|

|  |
| --- |
|   |

 |
|

|  |
| --- |
|   |

 |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |

|  |
| --- |
|   |

 |

|  |
| --- |
| [Roshanali Lakhani](https://www.linkedin.com/e/v2?e=6i21g3-i833vae6-2&t=npv&midToken=AQH7okicT9jW5A&tracking=eml-endrs-khc-prof-on_html&ek=endorsements_realtime&memberID=277920029) **1**st |
|

|  |  |
| --- | --- |
|

|  |
| --- |
|   |

 |
| Analysis |

|  |
| --- |
|   |

 |

|  |  |
| --- | --- |
|

|  |
| --- |
|   |

 |
| Team Leadership |

|  |
| --- |
|   |

 |

 |

 |

 |
|

|  |
| --- |
|   |

 |

 |

|  |
| --- |
|   |

 |

 |

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |  |
| --- | --- |
|

|  |
| --- |
|   |

 |
|

|  |
| --- |
| © 2015 LinkedIn Ireland Limited. LinkedIn, the LinkedIn logo, and InMail are registered trademarks of LinkedIn Corporation in the United States and/or other countries. All rights reserved. |
|

|  |
| --- |
|   |

 |
| You are receiving Endorsements emails. [Unsubscribe](https://www.linkedin.com/e/v2?e=6i21g3-i833vae6-2&t=lun&midToken=AQH7okicT9jW5A&tracking=eml-endrs-f-unsub-on_html&ek=endorsements_realtime&loid=AQF94LqNgH6QOAAAAUyEzCdzD6XjoVJZGH_4cAcsp_CXObNztYHhOlznxguvp-xbUOft1dBUVfVH-ks3q0t--Po&eid=6i21g3-i833vae6-2) |
| This email was intended for QURAN DISTRIBUTION (RESEARCHER). [Learn why we included this.](https://www.linkedin.com/e/v2?e=6i21g3-i833vae6-2&a=customerServiceUrl&midToken=AQH7okicT9jW5A&ek=endorsements_realtime&articleId=4788) |
|

|  |
| --- |
|   |

 |
| LinkedIn is a registered business name of LinkedIn Ireland Limited. |
| Registered in Ireland as a private limited company, Company Number 477441 |
| Registered Office: 70 Sir John Roberson's Quay, Dublin 2 |

 |
|

|  |
| --- |
|   |

 |

 |

 |

 |  |  |



**Make Dua for All**



|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **Imam Ahmed Raza Movement 1995 <iarm95@gmail.com>** |

 | Apr 4https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |  | **https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif****https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif** |
|

|  |
| --- |
| to bcc: imam-ahmed-raz.https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |

 |

Assalamu Alaikum Wa Rahmathullahi Wa Barakatahu:

​

**"Dua for a person not present is accepted quickly by Allah." (Tirmizi and Abu Dawood)**

**Benefits of Duaa**

**Numan bin Basheer  narrates** from Rasool-Allah , "Duaa is ibadat." Then He  read this ayat . (Tirmizi, Abu Dawod, and Ibn-e-Majah)

**Abu Hurairah  narrates** from Rasool-Allah , "In the court of Allah, there is no greater thing than duaa" (Ibn-e-Majah)

**Abdullah bin Umar  narrates** from Rasool-Allah  ," Among whatever has been descended and whatever has not been descended Duaa is beneficial of all. Oh people of Allah! Assume Duaa a must for yourselves. (Tirmizi)

**Abdullah bin Umar **from Rasool-Allah , "For whoever the door of duaa opened, for him the doors of mercy are opened. Whatever duaa is asked from Allah the best duaa is for well-being and safety among them." (Tirmizi)

**Abu Hurairah  narrates** from Rasool-Allah , "Allah is extremely displeased with the person who doesn't do duaa to Allah". (Tirmizi)

**Salman  narrates**from Rasool-Allah , "Your Rab is modest and kind. A person raise his hands in HIS court and HE leave them empty, Allah shies from it." (Tirmizi and Abu Dawood)

**Jabir  narrates** from Rasool-Allah , "Whoever does duaa to Allah, Allah fulfills his seeking or in exchange averts misfortune until the duaa is not related to sin or breaking some relation." (Tirmizi)

**Abu Hurairah  narrates** from Rasool-Allah , "Do duaa to Allah with this confidence that HE will accept it and know this well that Allah doesn't accept the duaa done with a negligent and careless heart. (Tirmizi)

**Salman Farsi  narrates** from Rasool-Allah , "Duaa turns away destiny and good deeds lengthen age. (Tirmizi)

**Umar  narrates** that, "Whenever Rasool-Allah  raised his hands for duaa He  did not put down them down until HE  took both hands over his face." (Tirmizi)

**Aisha (Radi Allahu Anha) narrates** that, "Rasool-Allah  liked duaas that were inclusive and he left the rest." (Abu Dawood)

**Abdullah bin Umar  narrates** from Rasool-Allah , "Duaa for a person not present is accepted quickly by Allah." (Tirmizi and Abu Dawood)

**Abu Hurairah  narrates** from Rasool-Allah , "Three duaas are such in which there is no doubt of their acceptance: 1) Father's duaa 2) Traveler's duaa 3) Duaa of the oppressed". (Timizi, Ibne Majah)

**Abu Hurairah  narrates** from Rasool-Allah , "Three types of people's duaas are not rejected: 1) At the time of iftar the person who has fasted 2) Adil ruler's duaa 3) The duaa of the oppressed. Allah raises the duaa of the oppressed on the clouds and the doors of heaven are opened for it and Allah says, "Oath of MY Majesty and Honour! I will help and aid you. Even though if the help is after few days." (Tirmizi)

**Abu Hurairah  narrates** from Rasool-Allah , "When anyone of you does duaa then don't say "Oh Allah! Forgive me if you want", "Have mercy on me if you want", "Give me subsistence if you wish" rather believe completely that HE will do whatever HE wishes. Nobody can force HIM." (Bukhari)

**Abu Hurairah  narrates** from Rasool-Allah , "Allah excepts the duaa of a person till the duaa is not related to sin or breaking of some relation and until he does not haste in that duaa. The people (May Allah be happy with them) asked, "Oh Rasool-Allah! What is meant by haste?" He  replied, "That the person say "I did duaa again and again but my duaa wasn't accepted and afterwards he becomes hopeless and leaves the duaa. This is called haste." (Muslim)

**Jabir  narrates** from Rasool-Allah , "Don't do Bad-duaa [against] yourself, your wealth, or for your children. May it be the moment of acceptance in the court of Allah and your Bad-duaa be accepted. (Muslim)

**Boraidah** ** narrates** that Rasool-Allah  heard a man performing duaa like so \*1, so He  said, "He [the man] has performed duaa with the Ism-e-Azam and when Allah is asked through the Ism-e-Azam, Allah grants and when duaa is performed with it HE accepts it." (Tirmizi and Abu Dawood)

**Asma binte Yazeed** **(Radi Allahu Anha)** **narrates** from Rasool-Allah , "Ism-e-Azam is in these two ayahs  and in the beginning of Ale-Imran . " (Tirmizi and Abu Dawood)

**Abu Hurairah  narrates** from Rasool-Allah , "Saying  is dearer to me than this world and all that is in it." (Mislim)

**Abu Hurairah  narrates** from Rasool-Allah , "Whoever said  hundred times in one day his sins are erased even if they are equal to the foam of the sea." (Muslim and Bukhari)

**Abu Hurairah  narrates** from Rasool-Allah , "Every Prophet had a special duaa which is accepted in the court of Allah. All Prophets were in quick in their duaas. On the day of Judgment, for the intercession of my Ummah, I have saved my duaa. My duaa will reach to every person in my ummah, who did not make any partners with Allah. (Muslim)

[https://www.facebook.com/](https://www.facebook.com/iarmbanglore)[razamovement.org](http://razamovement.org/)



With warm regards:
**Imam Ahmed Raza Movement**
H.O. - Bangalore - India
+91 8050151589  / 9060107861

[www.razamovement.org](http://www.razamovement.org/)
email: iarm95@gmail.com



**www.dr-umar-azam.com**



|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **UMAR AZAM <dr.u.azam@gmail.com>** |

 | Apr 5https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |  | **https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif****https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif** |
|

|  |
| --- |
| to amasa, Oyedola, pinkrose78672, shahzad, umarwaqas1, saima\_leo2001, azam, m.altaf, nad1079, Millat\_ricemil., hqpe14, aptpma, info, polyset, info, dilshad, naushad, Abdul, Abdul, Abu, Afroz, Aligarh, Md.Shahbaz, Anis, asif13.dangehttps://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |

 |

**Assalamu Alaikum,**

**My redesigned Site:**

[**www.dr-umar-azam.com**](http://www.dr-umar-azam.com/)

**went live on the Internet yesterday [Sat 4/4/15].  I have redesigned it all by myself!**

**Please use it and then kindly sign my Guestbook telling me what you think of it.**

**Thanx**

**Dr Umar**



|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **Mohammed Omer Khan <best.kol@gmail.com>** |

 | Apr 6https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |  | **https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif****https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif** |
|

|  |
| --- |
| to UMAR, amasa, Oyedola, pinkrose78672, shahzad, umarwaqas1, saima\_leo2001, azam, m.altaf, nad1079, Millat\_ricemil., hqpe14, aptpma, info, polyset, info, dilshad, naushad, Abdul, Abdul, Abu, Afroz, Aligarh, Md.Shahbaz, Anishttps://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |

 |

**orIn The Name Of  ALLAH – “The Most Beneficent & Merciful”**

***Respected Dr. Umar Azam***

***Assalam -o- Alaikum -wa- Rahmatullah -wa- Barkatahu***

**Received mail dated 6th April  2015. Thanks.**

**Respected & Beloved Brother, first of all accept my heartiest congratulation**

**for successfully redesigning your website. In Sha Allah, after going through it I will write.**

**Mohammed Omer Khan**, ***General Secretary***

**Bengal Educational & Social Trust**, **Rahmah Foundation**

**1,  Nawab  Badruddin  Street,  Kolkata  – 700 073,  India**

**E-mail:** **best.kol@gmail.com**,  **rahmah.foundation@gmail.com**

**Mobile: 9339105712**





|  |  |
| --- | --- |
| from: | **ansar mohammad** <ansarm786@hotmail.co.uk> |
| to: | "softcopyofquran@gmail.com" <softcopyofquran@gmail.com> |
| date: | Tue, Apr 7, 2015 at 10:40 PM |
| subject: | Spanish Quran |
| mailed-by: | hotmail.co.uk |
| https://ssl.gstatic.com/ui/v1/icons/mail/images/cleardot.gif: | Important mainly because it was sent directly to you. |

**Spanish Quran**



|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **ansar mohammad <ansarm786@hotmail.co.uk>** |

 | Apr 7https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |  | **https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif****https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif** |
|

|  |
| --- |
| to mehttps://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |

 |

Salaam o Alaikum,
Kindly send me a soft copy of holy quran in spanish language i wish to give it too some one.

Thanks.

Ansar

Sent from my iPhone



|  |  |
| --- | --- |
| from: | **ENGR. ASIF QADEER HUSSAIN** <asifqadeer@shaheenair.com> |
| to: | softcopyofquran@gmail.com (Yes, this is you.) [Learn more](https://support.google.com/mail/answer/10313?hl=en) |
| date: | Tue, Apr 28, 2015 at 10:42 AM |
| subject: | SOFT COPY OF QURAN |
| https://ssl.gstatic.com/ui/v1/icons/mail/images/cleardot.gif: | Important mainly because it was sent directly to you. |

**SOFT COPY OF QURAN**



|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **ENGR. ASIF QADEER HUSSAIN <asifqadeer@shaheenair.com>** |

 | AttachmentsApr 28https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |  | **https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif****https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif** |
|

|  |
| --- |
| to mehttps://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |

 |
|   Please send me soft copy of holy quran |
|

|  |  |
| --- | --- |
|  |  |

 |

|  |  |
| --- | --- |
|

|  |
| --- |
|  |

 |
|

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| [**FREE Animations for your email**](http://www.incredimail.com/?id=621159&did=10501&ppd=2820,201206281812,9,1,92266816306454440&rui=158824868&app_test_id=0&sd=20150428) |

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  | [**Click Here!**](http://www.incredimail.com/?id=621159&did=10501&ppd=2820,201206281812,9,1,92266816306454440&rui=158824868&app_test_id=0&sd=20150428) |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |

 |

 |  |
|

|  |
| --- |
|  |

 |



**Latest News from ReadyGraph**



|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **ReadyGraph <notification@readygraph.com> Unsubscribe** |

 | Apr 1https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |  | **https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif****https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif** |
|

|  |
| --- |
| to mehttps://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |

 |

Dear UMAR,

What a wild ride it has been! Since last year, ReadyGraph has had explosive growth, thanks to our wonderful network of publishers, bloggers, who keep the internet alive with fresh, exciting new content. Our tools now serve as a key driver of audience growth for over 30,000 websites.

ReadyGraph really appreciates working with dr-umar-azam which is why we're reaching out. We want to make sure that we are doing our best to keep you happy. In order to ensure that we keep bringing you high quality products and services, would you be so kind as to take this brief survey? [https://www.surveymonkey.com/s/5YDVYHK](http://email.readygraph.com/wf/click?upn=Z3x1HdJSTSD95RTsLYPojStNvRsr9FI2uKXcoxFUuYiVBrZ6Tx8QbuYOpfprRYzX_fXC5NkrD3-2FVX6BF5bRilcge4ky5gD9p9k0Cm6VUHyiqQ-2F504t9qESKH-2FihG5fXdc94vHii2unjxfzxrgEwAOZo0D6B20tp10kyEAGWs08X2B9Th9ZsEH-2FeVVzic1LqoxOcU9-2BbxpcjDBqHwWKd8yfAFaV48tD692MWlf7nTUJ525Mz6zOqgdgCFYXYMzvTUH2LlVZnSZohHsnDpmZERFtF-2FKg5NoahpZyXeMxsRRVjl-2Bmk0onWBA-2BMhdEZ5A-2FHJV). Your feedback is greatly appreciated and will help ReadyGraph continue to address your needs.

The community has been vociferous, so we are in the process of adding a plethora of new features that you've told us you wanted:

**1. Cross Promotion:** ReadyGraph has a huge network of blogs and users that come to us for content in our daily/weekly email digests, so we're going to start cross promoting relevant content to make our end user experience better. By promoting content across the network, your site's traffic will grow organically.

**2. Voting:** We're also adding the ability for users to vote-up sites and posts, directly from digest emails. The more votes your content gets, the more highly ranked your site will be and the more cross promotion it will get.

**3. Upgrades:** So many websites have told us the number one problem they face is getting the right traffic for their message. Adwords are expensive, Social Media volatile and time consuming, and SEO is basically an elusive, mythical unicorn? So we made it easy for sites to promote themselves through our network to any audience they want. Whether it?s based on things like location, gender, or interests, we listened to you and have made it easier to drive relevant traffic to your site. We offer several [premium plans](http://email.readygraph.com/wf/click?upn=Tobse-2BPFX3DaRV0rwZ-2F9lAO5w8MuLBzSnM8bLFuU15xr-2B3Ip3Z-2FMFgZ2MtE5rkwc_fXC5NkrD3-2FVX6BF5bRilcge4ky5gD9p9k0Cm6VUHyiqQ-2F504t9qESKH-2FihG5fXdcpal-2BoNqEBfmQSb8IgTadKe10sjuRpyv-2Frc4Ep-2BpH1NIH15v73YnEprX7JynPT3Ia-2FiTe50HyDRprU3Loe9LA3zLgzkoeQoNyjAS9F-2F8KaGq63IeGKz25WH6dbEwZJzngmJXIe3V8TJOpz3HT53I6TUNVPucTCIpCoiBsZWVWnL5mE-2BVu4-2FiuBwfBrdXORMKt) to grow your audience faster and if you want to really accelerate your growth, you can reach out to us here: support@readygraph.com and we?ll be happy to work with you to tailor a custom package based on your specific goals, ideas, and needs.

**4. Participation:** Of course in today's modern Internet climate, we want to make sure that every one who participates has the choice to do so. If for any reason, at any time, you want to opt-out of our growth engine, just let us know and we will take care of your request promptly and professionally.

**Summary:
ReadyGraph is going to enable the ability for site owners to engage in cross promotion to help people reach a wider audience (You can opt out). We?re going to enable voting features, and we'd love if you took this survey to ensure your happiness with our products and services.**

**Here's to your site's explosive growth in 2015,**
Team ReadyGraph
nick@readygraph.com
Brooklyn, NY 11201

if you would like to unsubscribe [click here](http://email.readygraph.com/wf/unsubscribe?upn=fXC5NkrD3-2FVX6BF5bRilcge4ky5gD9p9k0Cm6VUHyiqQ-2F504t9qESKH-2FihG5fXdcY8Vkt4U5WN-2F-2FlWDIy-2F-2BJRxj0Nk05WNuy1MUf6chcOPueMElqZo1jNtpaIXogw8v0ZlGhnbM-2FwmK-2FffbkckXLuaiHi4b83kwmkI9JvIoyNDhilQu0FUhWtzUHqlGvNtpLC0edqVoM3Ay9n3lZS1rJ-2B-2BBqpgwfU0Puh06bmKx9hbeIDHani6l9da0S5msvXayg).  2013, ReadyGraph. 20 Jay St. New York City, NY, 11201



**New Form Entry: The Dr Umar Azam Website Vol. 2**



|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **idalen.noureddine@live.ca <no-reply@weebly.com> Unsubscribe** |

 | Apr 5https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |  | **https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif****https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif** |
|

|  |
| --- |
| to mehttps://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |

 |

You've just received a new submission to your [The Dr Umar Azam Website Vol. 2](http://www.dr-umar-azam.co.uk/).

[WWW.DR-UMAR-AZAM.COM](http://WWW.DR-UMAR-AZAM.COM)

**Submitted Information:**

**Name**
noureddine idalen

**Email**
idalen.noureddine@live.ca

**Comment**
thank you



**Acknowledgement Re: www.dr-umar-azam.com**



|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **Islam - Upon the Understanding & Methodology of the early Muslims <islamicknowledge.co.uk@gmail.com>** |

 | Apr 5https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |  | **https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif****https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif** |
|

|  |
| --- |
| to mehttps://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |

 |

Thank you. Jazak'Allaah Khair for your email.

If it is required, we will respond to your email as soon as possible, insha'Allaah.

A call, to return to the original Islam - The Islam of the Prophet Muhammad sallallaahualaihi wa sallam and his Companions - to the understanding and methodology they were upon and the Ulamah who followed them strictly up until today. Free from any additions, deletions or alterations in the Religion.

For further reading about our Dawah, please see the links below:

This is Our Dawah

<http://abdurrahman.org/sunnah/ourcall.html>

An Introduction to the Dawah of our pious predecessors, Salafi Dawah

<http://www.qss.org/articles/salafi/text.html>

….“Thus, the day the Muslims return to understanding their religion as the Companions of Allaah's Messenger sallallaahu 'alayhi wa sallam understood it; and then act upon this purified Islaam in the correct manner, in all aspects of life, then that will be the day that the Muslims will rejoice at the help of Allaah and His victory.”….. Stated by Shaykh Al-Albani in al-Asaalah magazine (11/84-87).

Some recommended beneficial English

Islamic websites;

[www.quran.com](http://www.quran.com/)

[www.tafsir.com](http://www.tafsir.com/)

[www.thenoblequran.com](http://www.thenoblequran.com/)

[www.abouttajweed.com](http://www.abouttajweed.com/)

[www.islamjesus.ws](http://www.islamjesus.ws/)

[www.alssunnahnet.com/en/](http://www.alssunnahnet.com/en/)

[www.islam-guide.com](http://www.islam-guide.com/)

[www.makedua.com](http://www.makedua.com/)

[www.islaam.ca](http://www.islaam.ca/)

[www.alifta.com](http://www.alifta.com/)

[www.fatwa-online.com](http://www.fatwa-online.com/)

[www.aqidah.com](http://www.aqidah.com/)

[www.womeninislam.ws/en/](http://www.womeninislam.ws/en/)

[www.islamlife.com](http://www.islamlife.com/)

[www.sayingsofthesalaf.net](http://www.sayingsofthesalaf.net/)

[www.madeenah.com](http://www.madeenah.com/)

[www.ulamaa.com](http://www.ulamaa.com/)

[www.calltoislam.com](http://www.calltoislam.com/)

[www.islaamicstudiesacademy.com](http://www.islaamicstudiesacademy.com/)

[www.salafimanhaj.com](http://www.salafimanhaj.com/)

[www.prosunnah.org](http://www.prosunnah.org/)

[www.tawhidfirst.com](http://www.tawhidfirst.com/)

[www.abovethethrown.com](http://www.abovethethrown.com/)

[www.dkh-islam.com](http://www.dkh-islam.com/)

[www.islamiclecture.com](http://www.islamiclecture.com/)

[www.salafitapes.com](http://www.salafitapes.com/)

[www.theclearpath.com](http://www.theclearpath.com/)

[www.qssc.org](http://www.qssc.org/)

[www.alharamainsermons.org](http://www.alharamainsermons.org/)

[www.islamagainstextremism.com](http://www.islamagainstextremism.com/)

[www.understand-islam.com](http://www.understand-islam.com/)

[www.subulassalam.com](http://www.subulassalam.com/)

[www.bakkah.net](http://www.bakkah.net/)

[www.salafisisters.org](http://www.salafisisters.org/)

[www.islam4kids.com](http://www.islam4kids.com/)

[www.fatwaislam.com](http://www.fatwaislam.com/)

[www.islamicknowledge.co.uk](http://www.islamicknowledge.co.uk/)

[www.al-ibaanah.com](http://www.al-ibaanah.com/)

[www.allaahuakbar.net](http://www.allaahuakbar.net/)

[www.sisters-magazine.com](http://www.sisters-magazine.com/)

[www.dtssbc.com](http://www.dtssbc.com/)

[www.understand-islam.net](http://www.understand-islam.net/)

[www.abdurrahman.org](http://www.abdurrahman.org/)

[www.islam-qa.com](http://www.islam-qa.com/)

[www.thewahhabimyth.com](http://www.thewahhabimyth.com/)

[www.albaseerah.org](http://www.albaseerah.org/)

[www.bilalphilips.com](http://www.bilalphilips.com/)

[www.ilmforall.net](http://www.ilmforall.net/)

[www.drvaniya.com](http://www.drvaniya.com/)

[www.ahlulhadeeth.net](http://www.ahlulhadeeth.net/)

[www.healthymuslim.com](http://www.healthymuslim.com/)

[www.al-hidaayah.travel/](http://www.al-hidaayah.travel/)

[www.arabic-courses.com](http://www.arabic-courses.com/)

[www.seekknowledge.org](http://www.seekknowledge.org/)

[www.studyIslaam.org](http://www.studyislaam.org/)

[www.ibntaymiyyah.com](http://www.ibntaymiyyah.com/)

[www.wahhabis.com](http://www.wahhabis.com/)

[www.bidah.com](http://www.bidah.com/)

[www.rawdah.org](http://www.rawdah.org/)

[www.ummahservises.com](http://www.ummahservises.com/)

[www.smatch.net](http://www.smatch.net/)

[www.croydonict.com](http://www.croydonict.com/)

[www.scienceislam.com](http://www.scienceislam.com/)

Some of the Scholars of the Sunnah, Arabic sites;

[www.ulamaa.com](http://www.ulamaa.com/)

[www.binbaz.org.sa](http://www.binbaz.org.sa/)

[www.alalbany.net](http://www.alalbany.net/)

[www.ibnothaimeen.com](http://www.ibnothaimeen.com/)

[www.muqbel.net](http://www.muqbel.net/)

[www.alfawzan.ws](http://www.alfawzan.ws/)

[www.alabad.jeeran.com](http://www.alabad.jeeran.com/)

[www.mufti.af.org.sa](http://www.mufti.af.org.sa/)

[www.alhalaby.com](http://www.alhalaby.com/)

[www.mashhoor.net](http://www.mashhoor.net/)

[www.burjes.com](http://www.burjes.com/)

[www.lohaidan.af.org.sa](http://www.lohaidan.af.org.sa/)

[www.haddady.com](http://www.haddady.com/)

[www.rabee.net](http://www.rabee.net/)

[www.alsadlan.net](http://www.alsadlan.net/)

[www.alsoheemy.net](http://www.alsoheemy.net/)

[www.salehalshaikh.com](http://www.salehalshaikh.com/)

[www.sh-yahia.net](http://www.sh-yahia.net/)

[www.afifyy.com](http://www.afifyy.com/)

[www.alhilali.net](http://www.alhilali.net/)

[www.alburaaie.com](http://www.alburaaie.com/)

[www.saltaweel.com](http://www.saltaweel.com/)

[www.binsaadi.com](http://www.binsaadi.com/)

[www.abuhabib.com](http://www.abuhabib.com/)

[www.al-sunan.org](http://www.al-sunan.org/)

[www.uqu.edu.sa/mobazmool](http://www.uqu.edu.sa/mobazmool)

[www.amanjamy.net](http://www.amanjamy.net/)

[www.alheweny.org](http://www.alheweny.org/)

[www.rslan.com](http://www.rslan.com/)

[www.sh-emam.com](http://www.sh-emam.com/)

[www.almahajjah.net](http://www.almahajjah.net/)

[www.mandakar.com](http://www.mandakar.com/)

[www.saad-alhusayen.com](http://www.saad-alhusayen.com/)

[www.alssunnah.com](http://www.alssunnah.com/)

[www.manhajonline.com](http://www.manhajonline.com/)

[www.sahab.net](http://www.sahab.net/)

Bengali

[www.eshodinshikhi.com](http://www.eshodinshikhi.com/)

[www.banglaislam.com](http://www.banglaislam.com/)

Urdu

[www.islamurdu.com](http://www.islamurdu.com/)

[www.asliahlesunnet.com](http://www.asliahlesunnet.com/)

French

[www.al-islam.com](http://www.al-islam.com/)

German

[www.al-islam.com](http://www.al-islam.com/)

Turkish

[www.al-islam.com](http://www.al-islam.com/)

--

\*---------------------------------\*
\*\*
\*If you are receiving e-mails from us, it is because either you have
subscribed to us, or someone has subscribed you on your behalf, or your
e-mail has come to us in a batch of e-mails. If you do not wish to receive any
e-mails from Islamic Knowledge, simply contact us and you will be removed
from this mailing list.\*

info@islamicknowledge.co.uk
islamicknowledge.co.uk@gmail.com

\*A call, to return to the original Islam - The Islam of the Prophet Muhammad
sallallaahualaihi wa sallam and his Companions - to the understanding and
methodology they were upon and the Ulamah who followed them strictly up
until today. Free from any additions, deletions or alterations in the
Religion.\*

For further reading about our Dawah, please see the links below:

This is Our Dawah

<http://abdurrahman.org/sunnah/ourcall.html>

An Introduction to the Dawah of our pious predecessors, Salafi Dawah

<http://www.qss.org/articles/salafi/text.html>

 ….“Thus, the day the Muslims return to understanding their religion as the
Companions of Allaah's Messenger sallallaahu 'alayhi wa sallam understood
it; and then act upon this purified Islaam in the correct manner, in all
aspects of life, then that will be the day that the Muslims will rejoice at
the help of Allaah and His victory.”….. Stated by Shaykh Al-Albani in
al-Asaalah magazine (11/84-87).





|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **UMAR AZAM <dr.u.azam@gmail.com>** |

 | 11:03 PM (0 minutes ago)https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |  | **https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif****https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif** |
|

|  |
| --- |
| to UrduNet, Sahafat, pasbandaily, daily, fareeda.r, afaq.saifi, monthlybebaak, inshapublicati., Mukarram, عالمی, عالمی, AVADHNAMA, AVADHNAMA, editor, Monthly, Fay, Funoon, Gulbun, Hamara, Roznama, editor, azhar, mnlahore, mahnamabebaak, Urduhttps://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |

 |

**Assalamu Alaikum,**

**My redesigned Site:**

[**www.dr-umar-azam.com**](http://www.dr-umar-azam.com/)

**went live on the Internet yesterday [Sat 4/4/15].  I have redesigned it all by myself!  There is more information on it than the old Site and there are more Islamic Miracle photographs too, as well as some**

**You Tube videos of Islamic Miracles!**

**Please use it and then kindly sign my Guestbook telling me what you think of it.**

**Thanx**

**Dr Umar**



**New Form Entry: Allah-Azawajal Website Form**



|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **hakeemtundesai@yahoo.com <no-reply@weebly.com> Unsubscribe** |

 | Apr 9https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |  | **https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif****https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif** |
|

|  |
| --- |
| to mehttps://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |

 |

You've just received a new submission to your [Allah-Azawajal Website Form](http://allah-azawajal.weebly.com/).

<http://allah-azawajal.weebly.com>

**Submitted Information:**

**Name**
hakeem salami

**Email**
hakeemtundesai@yahoo.com

**Comment**
This is wonderful,jazakalau ilaira,amin

|  |  |
| --- | --- |
| from: | **UMAR AZAM** <dr.u.azam@gmail.com> |
| to: | hakeemtundesai@yahoo.com |
| date: | Thu, Apr 9, 2015 at 4:58 AM |
| subject: | Jazakallah Br Hakeem |
| mailed-by: | gmail.com |

**Jazakallah Br Hakeem**



|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **UMAR AZAM <dr.u.azam@gmail.com>** |

 | Apr 9https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |  | **https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif****https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif** |
|

|  |
| --- |
| to hakeemtundesaihttps://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |

 |

Now please see [www.dr-umar-azam.com](http://www.dr-umar-azam.com/) which I made all by myself and sign the Guestbook with your honest comments



**New Form Entry: The Dr Umar Azam Website Vol. 2**

[**www.dr-umar-azam.co.uk**](http://www.dr-umar-azam.co.uk)



|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **alhassanmohammed688@gmail.com <no-reply@weebly.com> Unsubscribe** |

 | Apr 10https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |  | **https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif****https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif** |
|

|  |
| --- |
| to mehttps://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |

 |

You've just received a new submission to your [The Dr Umar Azam Website Vol. 2](http://www.dr-umar-azam.co.uk/).

**Submitted Information:**

**Name**
Alhassan Mohammed

**Email**
alhassanmohammed688@gmail.com

**Comment**
salaamualiakum. i will like to read more islamic books

**RE: DR UMAR AZAM WEBSITE - VOL. 2**



|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **UMAR AZAM <dr.u.azam@gmail.com>** |

 | Apr 10https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |  | **https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif****https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif** |
|

|  |
| --- |
| to alhassanmohamm.https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |

 |

**WA LAIKUM SALAM, HASSAN**

**AND WHAT DID YOU THINK OF THE WEBSITE ITSELF?**

**ALSO, PLEASE SEND YOUR FULL ADDRESS TO RECEIVE FREE ISLAMIC BOOKS.**

**DR UMAR**



|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **ALHASSAN MOHAMMED <alhassanmohammed688@gmail.com>** |

 | Apr 11https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |  | **https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif****https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif** |
|

|  |
| --- |
| to mehttps://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |

 |

This site is rich of islamic books and other articles that helps me to read more about islam. Below is my address.

Alhassan Mohammed
True king acadamy
Post Office Box 8946,
Adum-kumasi
Ghana.
+233572899762.

Thank you.

**FREE QURAN & BOOKS**



|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **UMAR AZAM <dr.u.azam@gmail.com>** |

 | Apr 11https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |  | **https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif****https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif** |
|

|  |
| --- |
| to mohamedshrok20., Burhan, ALHASSANhttps://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |

 |

**SALAM, BRS SALAH AND BURHAN**

**PLEASE SEND THE HOLY QURAN AND ISLAMIC BOOKS TO BR ALHASSAN IN GHANA.  JAZAKALLAH.  DR UMAR**

**Alhassan Mohammed
True king acadamy
Post Office Box 8946,
Adum-kumasi
Ghana.****+233572899762****.**



**Dream: Prophet Muhammad (SaW) said Mufti Muneer Haq Per Hey Inbox**



|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **Asrar-e- Rahmat <asrar.e.rahmat.tvshow@gmail.com>** |

 | 5/6/14https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |  | **https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif****https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif** |
|

|  |
| --- |
| to bcc: mehttps://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |

 |

Asalamualikum,

It is a great news that one of the callers on the live TV show Asrar-e-Rahmat narrated his dream in which Prophet Muhammad (Saw) said amazing words for Sheikh-ul-Hadith Hazrat Maulana Mufti Muneer Ahmed Akhoon (DB).

Waslaam

[Dailymotion](http://dai.ly/x1t917s)

[Youtube](http://youtu.be/G676Tm0I-ds)

|  |  |
| --- | --- |
| from: | **UMAR AZAM** <dr.u.azam@gmail.com> |
| to: | Asrar-e- Rahmat <asrar.e.rahmat.tvshow@gmail.com> |
| date: | Tue, May 6, 2014 at 6:58 AM |
| subject: | Re: Dream: Prophet Muhammad (SaW) said Mufti Muneer Haq Per Hey Inbox |
| mailed-by: | gmail.com |
| https://ssl.gstatic.com/ui/v1/icons/mail/images/cleardot.gif: | Important according to our magic sauce. |



|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **UMAR AZAM <dr.u.azam@gmail.com>** |

 | 5/6/14https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |  | **https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif****https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif** |
|

|  |
| --- |
| to Asrar-e-https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |

 |

JazakAllah, dear brother, please see my Site dedicated to our Prophet SAW:   [http://powerofdurood.weebly.com](http://powerofdurood.weebly.com/) and please supply ur comments.  JazakAllah.

Salam, please use [dr-umar-azam.weebly.com](http://dr-umar-azam.weebly.com/) and sign my Guestbook.



|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **UMAR AZAM <dr.u.azam@gmail.com>** |

 | 5/7/14https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |  | **https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif****https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif** |
|

|  |
| --- |
| to GULFAMhttps://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |

 |

Salam, Gulfam bhai, forwarded mail dekhin.  Kya ye maalomaat risale mein tum include kar sakti ho?

*Translation: Br Gulfam, please see forwarded mail. Are you able to include this information in your religious magazine?*





|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **Syed Sadruddin Hussain <sydsadr@hotmail.com>** |

 | Apr 11https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |  | **https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif****https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif** |
|

|  |
| --- |
| to ptv, global-right-p., arahmatlive, maktaba, idara, info, info, nabila, mac.centre.van., subulassalam, majlistarajim, info, thequranfounda., admin, nazimnizami, uk, tjnoorani, ps, shifabilgrami, islameverywher., imamamasjid, info, maiqbaldelhi, drmaqdoomi, faizzhttps://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |

 |

***For information please. It is time for all of us to read the translation of Quran to understand Islam correctly instead of simply reciting and Hifz of Quran and depending on our Maulanas to get exploited and deviated. Our Masjid Imams also don't project Islamic Guidance on such matters of Shirk, Bidah, un Islamic customs and practices so common among us. Thanks.***

From: qasimabbas15@hotmail.com
To: sydsadr@hotmail.com; syehussa@hotmail.com; azmatullahk@gmail.com; jazaviews@gmail.com; afzalkhan2003@gmail.com;tariqkhanteekay@hotmail.com; firozkhan42@hotmail.com; asrar.e.rahmat.tvshow@gmail.com
Subject: RE: Dream: Prophet Muhammad (SaW) said Mufti Muneer Haq Per Hey Inbox
Date: Tue, 24 Mar 2015 14:46:58 -0300

*This guy, claiming dream upon dream, is the same guy, who, was writing paid column in Urdu Times 4 years ago and was promoting and selling Taweez, Wazeefah, Dua etc. .  However, his business of Taweez, Wazeefah, Dua etc. did not bring enough "business" i.e. "Dollars", so he had to close this paid column.  Now this "dream" business is new drama to generate "Dollars".*

*QA*



**New Form Entry: Free Holy Quran Contact Form**

[**http://free-holy-quran.weebly.com**](http://free-holy-quran.weebly.com)



|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **mrsrose776@gmail.com <no-reply@weebly.com> Unsubscribe** |

 | Apr 16https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |  | **https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif****https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif** |
|

|  |
| --- |
| to mehttps://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |

 |

You've just received a new submission to your [Free Holy Quran Contact Form](http://free-holy-quran.weebly.com/).

**Submitted Information:**

**Name**
Simone Tbaini

**Email**
mrsrose776@gmail.com

**Comment**
A salamu alaykum,
Insha Allah, is it possible to get about 30 free Qurans in Arabic and English from you for a new Masjid just started in Wylie Texas, USA?
If not can you Insha Allah direct me to someone who can?
Jazakum Allahu Khairen for your help

|  |  |
| --- | --- |
| from: | **UMAR AZAM** <dr.u.azam@gmail.com> |
| to: | mrsrose776@gmail.com |
| date: | Thu, Apr 16, 2015 at 8:56 PM |
| subject: | WA LAIKUM SALAM, SIMONE |
| mailed-by: | gmail.com |

**WA LAIKUM SALAM, SIMONE**



|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **UMAR AZAM <dr.u.azam@gmail.com>** |

 | Apr 16https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |  | **https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif****https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif** |
|

|  |
| --- |
| to mrsrose776https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |

 |

**I CAN REFER YOU TO THE  CONVEYING ISLAMIC MESSAGE SOCIETY IN EGYPT.  BUT FIRST PLEASE GIVE THE FULL POSTAL ADDRESS FOR DELIVERY ALONG WITH A CONTACT NUMBER.**

**I'M GOING TO EMAIL YOU SEVERAL VALUABLE ISLAMIC E-RESOURCES; THIS IS STANDARD PROCEDURE AND WILL BE A 1-TIME BULK MAILING.  YOU WILL BE WELCOME TO FORWARD ANY/ALL OF THOSE RESOURCES TO OTHERS AS WELL AS BENEFIT FROM THEM YOURSELF.**

**DR UMAR AZAM**



**Re: Notes on muslim funeral**



|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **Faiza Raymode <faizahmu@yahoo.com>** |

 | Apr 15https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |  | **https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif****https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif** |
|

|  |
| --- |
| to mehttps://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |

 |

Assalamualaikum

I hope that my mail reach you in good health.

I would appreciate if you could send me some notes on the following:

-    Muslim funeral

-    traditional muslim musique instruments.

Jazak Allah

Faiza

**From:** UMAR AZAM <dr.u.azam@gmail.com>
**To:** Faiza Raymode <faizahmu@yahoo.com>
**Sent:** Friday, January 9, 2015 11:56 PM
**Subject:** Re: Signification of Dream

WA LAIKUM SALAM, FAIZA

YES, I'VE BEEN WORKING AT ANOTHER SITE OF MINE.  I HOPE YOU AND YOUR LOVED ONES ARE IN THE BEST OF HEALTH AND IMAN. CAN YOU PLEASE SEE MY NEWEST SITE

[http://dr-umar-azam-charity.weebly.com](http://dr-umar-azam-charity.weebly.com/)

AND THEN LET ME HAVE YOUR COMMENTS.

YOUR COUSIN'S DREAM COULD MEAN THAT SHE HAS PROBLEMS WITH RELATIVES OR FRIENDS OR THAT THERE IS ENMITY FROM SOMEONE TOWARDS HER FAMILY.

**Snake**
To see a snake or be bitten by one in your dream signifies hidden fears and worries that are threatening you. Your dream may be alerting you to something in your waking life that you are not aware of or that has not yet surfaced. If the snake tangles itself, then it represents a subsiding threat. Something that you thought was going to be a problem has resolved itself. Alternatively, the snake may be seen as phallic and thus symbolize temptation, dangerous and forbidden sexuality. In particular, to see a snake on your bed suggests that you are feeling sexually overpowered or sexually threatened. You may be inexperienced, nervous or just unable to keep up. If you are afraid of the snake, then it signifies your fears of sex, intimacy or commitment. The snake may also refer to a person around you who is callous, ruthless, and can't be trusted. As a positive symbol, snakes represent healing, transformation, knowledge and wisdom. It is indicative of self-renewal and positive change. In particular, dreaming of a red snake highlights the positive characteristics of the snake, as well as your fiery passion. To see a baby snake in your dream means that you are underestimating some threat in your waking life. To see the skin of a snake in your dream represents protection from illnesses.

To see a snake with a head on each end in your dream suggests that you are being pulled in two different directions. You are feeling overburdened and do not know whether you are coming or going. Your actions are counterproductive. Perhaps the dream represents some complicated love triangle. Alternatively, the dream signifies your desires for children. If you see a two-headed snake in your dream, then it refers to cooperation and teamwork in some relationship.

To dream of a snake without a head or without any eyes implies that you are refusing to see the danger in a situation. Alternatively, it means that you are being blindsided. To dream that a snake is being beheaded indicates that there is an issue that you are not confronting. You are refusing to face your fears. To see a bodiless snake in your dream refers to some biting or cutthroat remarks. To see a dead snake in your dream means that a threat has passed.

If you are eaten by a snake in your dream, then it means that someone is taking advantage of you. Dreaming of a snake eating your child represents someone who you fear is harming your child in some way. Perhaps you do not trust your child's judgment and are afraid that she is being manipulated by others. The dream may also symbolize your fears of letting go. To dream that you are eating a live snake indicates that you are looking for intimacy or sexual fulfillment. Your life is lacking sensuality and passion. If you vomit or throw up the snake, then it may mean that you are overcompensating for something that is lacking in your life. You may be rushing into something. To dream that a snake is eating another snake represents your drive and determination to succeed at whatever cost. \*\*\*Go to Common Dreams: Snake Dreams for further analysis. View Dream Bank; "Two Snakes", "Snakes Everywhere!", "Raining Snakes", and "Snakes Jumping At Me"

<http://dreammoods.com/cgibin/dreamdictionarysearch.pl?method=exact&header=dreamsymbol&search=snakes>

On Fri, Jan 9, 2015 at 11:38 AM, Faiza Raymode <faizahmu@yahoo.com> wrote:

Assalamualaikum Dr Umar

Hope you are enjoying a sound health by the grace of Allah.

I would appreciate if you could give me the meaning of this dream as I have gone through the site myislamicdream, I did not get any information.

The dream is about snakes.  My cousin dreamt about a nest just like a bird nest and inside there are lots of black small snakes (long and slim) near her door.  She was trying to kill the snakes……

The next day she found in her corridor of her house a long snake (its colour is light grey) and her husband throw it outside but did not kill it.

Jazak Allah

Faiza

**From:** UMAR AZAM <dr.u.azam@gmail.com>
**To:** Faiza Raymode <faizahmu@yahoo.com>
**Sent:** Friday, December 5, 2014 2:31 AM
**Subject:** Re: Signification of Dream

**WA LAIKUM SALAM, FAIZA**

**THE DREAM COULD MEAN THAT YOUR FRIEND OR HER NEIGHBOURS, OR ALL OF THEM, COULD GET RICHER!  I'VE GIVEN THE ISLAMIC DREAM BELOW AND 2 SCIENTIFIC INTERPRETATIONS FOR THE COW AND GRASS AFTER THAT.**

**As grass is cattle's food and cattle represents people's wealth, then gathering and eating grass in a dream means prosperity.**

[**http://www.myislamicdream.com/search.html?txtSearch=grass&cmdSearch=Search**](http://www.myislamicdream.com/search.html?txtSearch=grass&cmdSearch=Search)

**Cow**
To see a cow in your dream symbolizes your passive and docile nature. You obey others without question. Alternatively, a cow represents maternal instincts or the desire to be cared for. For some cultures, the cow represents divine qualities of fertility, nourishment and motherhood.

<http://dreammoods.com/cgibin/dreamdictionarysearch.pl?method=exact&header=dreamsymbol&search=cow>

**Grass**
To see green grass in your dream suggests that there is a part of yourself that you can always rely on. The dream is also symbolic of natural protection. Also consider the phrase "the grass is always greener on the other side." Do you always compare yourself with others and look at what other people have?

To dream that you are planting grass indicates that your hard work and efforts will pay off in the end.

<http://dreammoods.com/cgibin/dreamdictionarysearch.pl?method=exact&header=dreamsymbol&search=grass>

On Thu, Dec 4, 2014 at 11:24 AM, Faiza Raymode <faizahmu@yahoo.com> wrote:

Assamualaikum Dr Umar

Hope by the grace of Allah that you are enjoying a sound health.

I would like to have the meaning of this dream please:

My friend's dream is about a white beautiful cow.  She owned this cow but the latter went to her neighbour's yard to eat grass and this neighbour is a complete stranger to her.  He said to her let the cow eat because there is grass everywhere.

 Jazak Allah.

Faiza

**From:** UMAR AZAM <dr.u.azam@gmail.com>
**To:** Faiza Raymode <faizahmu@yahoo.com>
**Sent:** Monday, April 28, 2014 12:27 PM
**Subject:** Re: Fwd: PRAYERS IN ISLAM IS ATTACHED!

WS, FAIZA, THIS IS A BRIEF MESSAGE FROM MY MOBILE, I LL GIVE A DETAILED REPLY IN A FEW HOURS FROM A COMPUTER.  YES, SHE SHOULD TAKE BACK HER ADULTEROUS HUSBAND,AND ALSO READ DUAS THAT ALLAH GUIDE HIM TO REPENT AND REFRAIN  DR UMAR

Salam, please use [dr-umar-azam.weebly.com](http://dr-umar-azam.weebly.com/) and sign my Guestbook.

On 28 Apr 2014 08:01, "Faiza Raymode" <faizahmu@yahoo.com> wrote:

Assalamualaikum warahmatullahi wabarakatuhu

I pray to Allah that you always enjoy  good health. Ameen.

Please accept my thanks from the bottom of my heart for the precious book 'Benefial Prayers' you sent me.  I just cant express my deep gratitude to you because I find that book so helpful and I am making copies for distribution to all my friends.  Jazak Allah

I would like to have an advice on what islam says about this:

If a husband committed adultery and then he returned to his wife.  What the wife should do? Accept him without special prayers?  Please let me know....

Awaiting your reply.

Faiza

On Wednesday, April 16, 2014 6:38 AM, UMAR AZAM <dr.u.azam@gmail.com> wrote:

SALAM, FAIZA

HERE IS A VALUABLE LINK FOR A DUA TO REMOVE THE SUFFERER'S DISTRESS:

<http://www.iqrasense.com/dua-from-quran-and-hadith/dua-for-grief-and-sorrow-commentary-by-ibn-al-qayyim.html>

ALSO, PLEASE FIND ATTACHED A WONDERFUL BOOK OF DUAS, ENTITLED*BENEFICIAL PRAYERS*.

DR UMAR

On Tue, Apr 15, 2014 at 5:55 AM, Faiza Raymode <faizahmu@yahoo.com> wrote:

Assalamualaikum

Jazak Allah for your precious help and attention.

I am sorry but I am having a bit of a problem to read it.  The format is not good and all the sentences are mixed up.  So I prefer to let you know about that and see if you can send me a correct version.  As usual I appreciate very much your effort and your prompt reply.  The other links also are not opening.  Can you please check it and send me again.

Khuda Hafiz

Faiza

On Tuesday, April 15, 2014 4:48 AM, UMAR AZAM <dr.u.azam@gmail.com> wrote:

I pray that ur friend's problems end, Faiza.  Regarding ur Request for some Dua for ur friend, I'm emailing a whole e-book PRAYERS IN ISLAM for u to forward on to her by email and, of course, to use urself too - as we all constantly need to supplicate to Allah Most High.

Salam, please use [dr-umar-azam.weebly.com](http://dr-umar-azam.weebly.com/) and sign my Guestbook.

---------- Forwarded message ----------
From: "UMAR AZAM" <dr.u.azam@gmail.com>
Date: 5 Apr 2014 22:35
Subject: PRAYERS IN ISLAM IS ATTACHED!
To: "UMAR AZAM" <dr.u.azam@gmail.com>, <fatimayambo1@hotmail.com>, <zeegwadabe69@yahoo.com>

SALAM



|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| **UMAR AZAM** |  | AttachmentsApr 15https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |
|

|  |
| --- |
| WA LAIKUM SALAM, FAIZA I PRAY THAT YOU'RE GETTING ON FINE. PLEASE SEE THE ATT... |

 |



|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **Faiza Raymode <faizahmu@yahoo.com>** |

 | Apr 16https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |  | **https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif****https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif** |
|

|  |
| --- |
| to mehttps://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |

 |

Assalamualaikum Dr Azam

Jazak Allah for your prompt reply as usual.

I am sorry to inform you that I am unable to download the attachments.  Can you please send them to me in another format.

Allah will reward you.... Ameen.

Faiza

**From:** UMAR AZAM <dr.u.azam@gmail.com>
**To:** Faiza Raymode <faizahmu@yahoo.com>
**Sent:** Thursday, April 16, 2015 1:34 AM
**Subject:** Re: Notes on muslim funeral





|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **UMAR AZAM <dr.u.azam@gmail.com>** |

 | Apr 16https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |  | **https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif****https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif** |
|

|  |
| --- |
| to Faizahttps://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |

 |





|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **UMAR AZAM <dr.u.azam@gmail.com>** |

 | AttachmentsApr 16https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |  | **https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif****https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif** |
|

|  |
| --- |
| to Faizahttps://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |

 |

**SALAM, FAIZA**

**I HOPE THAT YOU CAN OPEN THE ATTACHED TWO MS WORD FILES:**

**1.  ARABIC MUSICAL INSTRUMENTS**

**2.   MUSLIM FUNERALS**



**2 Attachments**

[Preview attachment Arabic Musical Instruments.html](https://mail.google.com/mail/u/0/?ui=2&ik=a99cb71210&view=att&th=14cc3e05f01aaf99&attid=0.1&disp=inline&realattid=f_i8klfs3z10&safe=1&zw" \t "_blank)

[](https://mail.google.com/mail/u/0/?ui=2&ik=a99cb71210&view=att&th=14cc3e05f01aaf99&attid=0.1&disp=inline&realattid=f_i8klfs3z10&safe=1&zw" \t "_blank)

[](https://mail.google.com/mail/u/0/?ui=2&ik=a99cb71210&view=att&th=14cc3e05f01aaf99&attid=0.1&disp=inline&realattid=f_i8klfs3z10&safe=1&zw" \t "_blank)

**[Arabic Musical Instruments.html](https://mail.google.com/mail/u/0/?ui=2&ik=a99cb71210&view=att&th=14cc3e05f01aaf99&attid=0.1&disp=inline&realattid=f_i8klfs3z10&safe=1&zw" \t "_blank)**

Preview attachment muslim funerals.docx



**muslim funerals.docx**



|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **UMAR AZAM <dr.u.azam@gmail.com>** |

 | Apr 16https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |  | **https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif****https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif** |
|

|  |
| --- |
| to Faizahttps://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |

 |

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| [**Is Music allowed in Islam?**](http://www.imranhosein.org/faq/59-general/224-is-music-allowed-in-islam.html) |  |  |

|  |
| --- |
| [General](http://www.imranhosein.org/faq/59-general.html) |
| Written by Imam Afroz Ali    |
| The question of music is a complex one and there are valid differences of opinion surrounding it. As a quick introductory statement, we as Muslims must realise that understand the Fiqh (Legal Ruling) of any matter is not as simple as quoting a Qur'anic verse or pointing to a Hadeeth. In fact, the Companions, and definitely the two generations following them (Tabi'een and Tabi' Tabi'een) refrained from quoting from the Sunnah or the Qur'an without proper analysis of many many issues, e.g., linguistic proofs, context of revelation as well as a narration of the Prophet (upon whom be peace and blessings of Allah), absolute and qualified narrations, universality and particularity of verses and narrations, etc. These are deeply developed sciences. The points below are the summaries of rulings based on such a thorough understanding of the Shari'ah, rather than those who simply claim to quote a verse or a Hadith as proof. Further, it is also important to note that music and singing are essentially two different things, not mutually exlusive but certainly not dependent of each other. In other words, one does not have to have music to sing, but at the same time they are both musical matters.In regards to the question itself, the matter can be broken down into the following categories of assessment, each holding its own ruling and differences of opinion.We will start from those matters unanimously agreed upon to be prohibited.1. The kinds of singing which are unequivocally prohibited are those which contain the celebration of the material world and includes sexual connotation and that which is also inappropriate in speaking, e.g., swearing, sexually expletive language, and the like. In Fiqh this is usually referred to as Tarab. Almost all Hollywood (and Bollywood...) songs will fit in here.2. The kinds of singing which are also unequivocally prohibited, are those that remove a person away from the worship and appropriate presence with Allah, e.g., leading a person to be involved with cross-gender mixing, lazing around (rather than taking a short break to relax from exhaustion. In such cases, as we will see below, there is permission to listen to musical matters that glorify Allah and praise the Prophet), ignoring one's rights and responsibilities, and the like.3. Those kinds of singing which are unequivocally permitted are those which glorify Allah and praise the Prophet. Much can be said about this, but it will be a whole book! So in summary, this is usually taken to be permissible as a respite rather than the norm of "iPod in the ear 24/7". It is also permissible to have such appropriate singing of happiness (rather than directly about Allah and His Messenger) that soothe the heart in a Halal manner for festivals and weddings. These kinds of singing are usually referred to as inshad and sama'.4. Those kinds of singing which are general, and are neither prohibited nor specifically about goodness and happiness (but may be e.g., about politics or environment, etc), the majority of Scholars hold that it is permissible only in its context rather than a habit to listen and enjoy. If it is habituated and leads an individual to ignore their rights and responsibilities, then it is not permitted. Almost all Hollywood and Bollywood songs fit in here. Now to music:1. The kind of music referred to as malahi are abhorred and prohibited. This kind of music is simply for entertainment for dance, frivolous enjoyment and the like.2. Those kinds of music from the duff and similar drums (under the category of ma'azif) are unequivocally permissible. Of course, the songs attached to it must be permissible as outlined above. Further the use of the drums are unequivocally permissible for festivals and weddings and joyous times.3. The critical difference of opinion is regarding different kinds of musical instruments; it is incorrect to suggest that all musical instruments are held to be prohibited in Islam. The fact is that the major prohibition of music is because at the time of the Prophet, they very often were used in the context of malahi - (1) above, hence easily claimed that it is prohibited in all circumstances. But this is not the case. As such (and the same for singing with or without music):i) If the music is part of glorifying Allah and His Messenger, this is held to be permissible by the majority of Scholars;ii) If the music is for entertainment and pastime, it is prohibited;iii) If the music is for soothing and serenity of the mind which helps one to remember Allah, as long as it does not remove one from obeying Allah or one's rights and responsibilities, there is a significant difference of opinion, and is best to minimise such involvement if not avoided. If you saw someone listening to such a musical matter, do not place judgment on them nor force your opinion on others regarding this category. In conclusion, avoid all singing, music, gatherings of entertainment, except for gatherings of melodious remembrance of Allah and His Messenger. And, be cautious if singing and music which are of spiritually happiness (not material) and also leads one to remember Allah and only listen sparingly if one could not avoid it at all.Insha Allah that gives you a practical set of guidelines and the scope of permissibility as well as definite prohibitions and as such help you to live your life better in the presence of Allah Ta'ala. |



**[Weebly] Re: Live chat with dr.u.azam@gmail.com**



|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **Weebly <support@weebly.zendesk.com>** |

 | Apr 18https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |  | **https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif****https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif** |
|

|  |
| --- |
| to mehttps://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |

 |

##- Please type your reply above this line -##

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
|

|  |  |
| --- | --- |
|  | **Dr U Azam**Apr 18, 14:59Location: Manchester, United KingdomFrom url: <http://hc.weebly.com/hc/en-us?flash_digest=e5da59c73cdba899e028b1d45d268209d5f0868a>Browser: Chrome (42.0.2311.90)Operating Systems: Microsoft Windows 7Languages: English (en-US), English (en)More details: <https://www.snapengage.com/viewcase?c=ce001c8f-f903-46b4-8a9f-490d7160d673>Chat transcript:Visitor: how do i get rid of more in the navigation at the top, i just want navigation without the more...and croll-down menu[Chat was not replied to by Tim T, this chat is now assigned to you - Michael H.]Michael H.: There is only a certain amount of space in the navigation bar. When you exceed that space, the rest are placed under the More tab. The only way to remove that would be to remove those pages.Visitor: HI, MICHAEL , BUT MY QUESTION IS HOW TO GET MORE SPACE AT THE TOP FOR FULL NAVIGATIONMichael H.: There is no way to do that. Themes only have a certain amount of space for the navigation bar.Visitor: IS THERE A THEME THAT ALLOWS FULL SIMULTANEOUS NAVIGATION LINKS EG 10 LINKSMichael H.: The amount of space varies per theme. You can always check out different themes under the Design tab.Visitor: YES, MY SITE [www.latest-halal-foods.net](http://www.latest-halal-foods.net/) IS NOT COMPLETELY FREE, I'VE PAID WEEBLY FOR HOSTING, SO I COULD EXPECT A BETTER THEME WITH MORE SPACE Michael H.: Then I would recommend you browse the theme area to see if another theme is closer to what you are looking for. Visitor: I HAVE BROWSED THEM ALREADY AND WASN'T THAT SATISFIED BECAUSE ALL THEMES ARE UNSATISFACTORY, COULD PLEASE JUST TAKE A QUICK LOOK AT THE SITE AND RECOMMEND A FULLER THEME?Michael H.: All themes only have a certain amount of space for the navigation bar. I do not have a list of exactly how much space is on all 400 themes. You will need to browse them and find one you like. If you don't like any of them, there's really nothing we can do about that. We can't redesign the themes. Visitor: I DIDN'T SEE 400 THEMES, I SAW ONLY ABOUT 30, WHERE ARE THE 400?Michael H.: You can find all the themes under Design -> Change ThemeVisitor: YES, THERE AREN'T 400, THERES TITLES LIKE MODERN [7], CORPORATE [8[ ETCMichael H.: I didn't literally mean there were 400 but there are definitely more than 30. The point is that every theme is going to have a more button at some point if you have tons of navigation links. There's no way around that beyond just having less navigation links.Visitor: I'M A LITTLE DISAPPOINTED BUT THANKS ANYWAY, I DIDN'T WANT TONNES OF LINKS JUST SOMETHING LESS AMATERISH. THANK YOU FOR YOUR ATTEMPTED HELP, MICHAELMichael H.: Have a great rest of your day! |

 |

]

This email is a service from Weebly. Delivered by [Zendesk](http://www.zendesk.com/%22%20%5Ct%20%22_blank).

**Request #1877766: How would you rate the support you received?**



|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **Weebly <support@weebly.zendesk.com>** |

 | Apr 19https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |  | **https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif****https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif** |
|

|  |
| --- |
| to mehttps://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |

 |

##- Please type your reply above this line -##

Hello Dr U Azam,

We'd love to hear how you feel about the customer service you received from Weebly. Please take a moment to answer one simple question about your experience with Michael by clicking either link below:

**How would you rate the support you received?**

[Good, I'm satisfied](http://hc.weebly.com/requests/1877766/satisfaction/new/QzWjouvBSmK9O29ksEuIpnoFk?locale=1&intention=16)

[Bad, I'm unsatisfied](http://hc.weebly.com/requests/1877766/satisfaction/new/QzWjouvBSmK9O29ksEuIpnoFk?locale=1&intention=4)

And here's a reminder of what your ticket was about:



|  |  |
| --- | --- |
| from: | **UMAR AZAM** <dr.u.azam@gmail.com> |
| to: | sanamajeed10@yahoo.com |
| date: | Mon, Apr 27, 2015 at 3:05 AM |
| subject: | Thanks |
| mailed-by: | gmail.com |

**Thanks**



|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **UMAR AZAM <dr.u.azam@gmail.com>** |

 | Apr 27https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |  | **https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif****https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif** |
|

|  |
| --- |
| to sanamajeed10https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |

 |

Salam Sana thanks for the feedback form, now please see:  [http://dr-umar-azam-chronological.weebly.com](http://dr-umar-azam-chronological.weebly.com/) and please fill in that form. Dr Umar



**New Form Entry: Free Holy Quran Contact Form**



|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
|

|  |
| --- |
| **taufik2009@hotmail.com <no-reply@weebly.com> Unsubscribe** |

 | Apr 28https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |  | **https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif****https://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif** |
|

|  |
| --- |
| to mehttps://mail.google.com/mail/u/0/images/cleardot.gif |

 |

You've just received a new submission to your [Free Holy Quran Contact Form](http://free-holy-quran.weebly.com/).

<http://free-holy-quran.weebly.com>

**Submitted Information:**

**Name**
ABDUL MUMIN TAUFIK

**Email**
taufik2009@hotmail.com

**Comment**
GOD BLESS YOU



